विश्व एड्स दिवस एड्स के मरीजों में पुरूष वर्ग ज्यादा, सबसे ज्यादा जांचे गर्भवती महिला की, जागरूकता से बचाव संभव

12 वर्ष में 76 हजार 231 जांचे, 762 मिले एड्स पाजीटिव

मंडला 30 नबंवर नभाप्र. एड्स एक लाइलाज बीमारी है, इस बीमारी में व्यक्ति के अंदर रोग से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है एवं व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ता है। जिले में पिछले 12 सालों में एड्स रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिले में वर्ष 2013 से अक्टूबर 2025 तक इन 12 वर्षो में 76 हजार 231 पुरूष, महिला और गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। जिसमें 762 एड्स रोगी सामने आए है। समय के साथ परिस्थितियां भी बदली है।

एड्स के कारण और निवारण के प्रति लोग जागरूक हुए है। जिसके चलते साल दर साल एड्स की जांच के मामलों में वृद्धि हुई है। यही वजह है कि एड्स रोगी सामने आ रहे है। वर्ष 2013 में 5542 एड्स की जांच की गई। जिसमें 1923 पुरूषों और 771 महिलाओं ने एड्स की जांच कराई। जिसमें 34 पुरूष एवं 10 महिलाएं पॉजीटिव निकली। इसी तरह वर्ष 2013 में गर्भवती स्त्रियों की जांच की गई, जिसमें 2848 गर्भवती महिलाओं में से 12 पॉजीटिव निकली। वर्ष 2013 का आंकड़ा वर्ष 2019 में बढ़ गया। वर्ष 2019 में 9415 जांच की गई। जिसमें 1343 पुरूष, 2737 महिलाएं और 5335 गर्भवती महिलाओं ने एड्स की जांच कराई। जिसमें 33 पुरूष, 34 महिलाएं और 09 गर्भवती महिलाएं पॉजीटिव आई। इसी तरह वर्ष 2021 में जांचों का आंकड़ा 6739 रहा। जिसमें 43 पुरूष, 25 महिला और 04 गर्भवती महिलाएं पॉजीटिव आई। एड्स के मरीजों को समय समय में चिकित्सी सलाह एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। एड्स से बचने के उपाय भी लोगों को बताए जा रहे है।

बताया गया कि प्रति वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करना है। जागरूकता के तहत लोगों को एड्स के लक्षण, इससे बचाव, उपचार, कारण इत्यादि के बारे में जानकारी दी जाती है और इसके साथ ही जागरूक करने के लिए कई अभियान चलाए जाते हैं जिससे इस महामारी को जड़ से खत्म करने के प्रयास किए जा सकें। साथ ही एचआईवी एड्स से ग्रसित लोगों की मदद की जा सकें।

36 हजार 310 गर्भवती की जांच, 77 पॉजीटिव

वर्ष 2013 से अक्टूबर 2025 तक 36 हजार 310 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इन 12 वर्षो में जांच के दौरान 77 महिलाएं एचआईवी पॉजीटिव आई। एचआईवी जांच में पुरूष वर्ग व महिला वर्ग से ज्यादा गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है। शासकीय अस्पताल में आने वाली प्रत्येक गर्भवती महिला की एचआईवी जांच की जाती है। इन 11 वर्षो में वर्ष 2013 में 12 गर्भवती महिला पॉजीटिव थी, जिसके बाद आंकड़े कम होते गए। वर्ष 2018 में 5 गर्भवती महिला पॉजीटिव आई। जिसके बाद इन आंकड़ों की रफ्तार बढ़ने लगी। वर्ष 2019 में 09 केस, वर्ष 2020 में 10 केस, वर्ष 2021 में 04 केस और वर्ष 2022 अक्टूबर तक 09 पॉजीटिव केस के बाद यह आंकड़ा वर्ष 2023 में एक बार फिर कम हो गया और यह आकंड़ा 4 में आकर रूक गया, लेकिन वर्ष 2024 में तीने पॉजीटिव केस बढ़ गए और आंकड़ा 07 पर पहुंच गया। वहीं इस वर्ष 2025 में पॉजीटिव केस कम हुए और पांच पॉजीटिव केस ही मिले।

एड्स पीड़ित बच्चों को मिल रहा शासन की योजना का लाभ

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि केंद्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना के तहत गैर-संस्थागत देखभाल कार्यक्रमों के लिए प्रति बच्चा 4 हजार रुपए मासिक वित्तीय सहायता दी जा रही है। जिसमें एड्स पीड़ित बच्चे भी शामिल है। माता-पिता या बच्चा किसी के भी एड्स प्रभावित होने उन्हें 18 वर्ष तक प्रतिमाह 4 हजार रुपए की राशि दी जाती है। जिससे उन्हें संस्थागत देखभाल के बिना शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के लिए सहायता प्राप्त हो। जिले में पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन, मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा, मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना के तहत बरीक 500 बच्चे लाभांवित है। जिसमें 40-45 बच्चों को उनके या अभिभावकों के एड्स प्रभावित होने के कारण लाभ मिल रहा है। साथ ही एचआईवी पीड़ित व्यक्तियों का नाम गोपनीय रखा जाता है।

वर्ष 2022 में 92 एचआईवी पॉजीटिव

11 वर्षो में वर्ष 2013 से 2022 तक 611 एचआईवी पॉजीटिव केस मिले है। वर्ष 2013 में 56 केस मिले, जिसके बाद यह आंकड़ा वर्ष 2014 से 2017 तक 30 से 50 के बीच रहा। लेकिन वर्ष 2018 से संक्रमितों की संख्या में एक दम से बढ़ोत्तरी हुई। जिसमें 2018 में 8793 जांच करने के बाद 74 एचआईवी संक्रमित केस मिले। इसी तरह 2019 में 9415 व्यक्तियों की जांच में 76 केस निकले। यह आंकड़ा कम होने के वजाए फिर बढ़ा और 2020 में 6093 जांच में 79 पॉजीटिव, वर्ष 2021 में 6739 जांच में 72 पॉजीटिव और वर्ष 2022 में 6003 जांचों में 92 पॉजीटिव केस, वर्ष 2023 में 4056 जांच में 72 केस और वर्ष 2024 में अक्टूबर 2024 में 3024 जांचों में 38 केस सामने आए। वर्ष 2022 में 92 पॉजीटिव केस का यह आंकड़ा पूरे 11 सालों में सबसे ज्यादा रहा।

अप्रैल 2013 से अक्टूबर 2025 तक कुल जांच एवं नतीजे

गर्भवती महिला

वर्ष	जांच	पॉजीटिव
2013	2848	12
2014	3140	03
2015	2253	02
2016	2917	04
2017	3409	03
2018	5694	05
2019	5335	09
2020	3042	10
2021	3641	04
2022	1619	09
2023	720	04
2024	197	7
2025	1495	5
योग	36310	77

महिला

वर्ष	जांच	पॉजीटिव
2013	771	10
2014	1034	12
2015	1214	14
2016	1123	15
2017	1237	22
2018	1782	33
2019	2737	34
2020	1829	34
2021	1573	25
2022	2348	28
2023	1749	27
2024	1580	13
2025	2487	19
योग	21464	286

पुरूष

वर्ष	जांच	पॉजीटिव
2013	1923	34
2014	954	21
2015	897	18
2016	1092	22
2017	1809	26
2018	1317	36
2019	1343	33
2020	1222	35
2021	1525	43
2022	2036	55
2023	1587	41
2024	1247	18
2025	1505	17
योग	18457	399

इको सेंटर खटिया में मृदा एवं जल संरक्षण पर कार्यशाला

मंडला 30 नबंवर नभाप्र. कान्हा के ईको सेंटर खटिया में हाल ही में मृदा एवं जल संरक्षण से संबंधित कार्यों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य वन स्टाफ को संरक्षण कार्यों की तकनीक से प्रशिक्षित कर फील्ड में इन प्रयासों को गति देना है। इस कार्यशाला में भैसानघाट, सरही, कान्हा, और किसली परिक्षेत्रों के स्टाफ ने भाग लिया। प्रशिक्षण में मृदा और जल के संरक्षण के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यों के विषय में सैद्धांतिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के बाद कर्मचारियों को फील्ड एक्सरसाइज भी कराई गई जिससे वे व्यावहारिक रूप से इन तकनीकों को समझ सकें और अपने-अपने परिक्षेत्रों में प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। कार्यशाला में क्षेत्र संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व स्वयं उपस्थित रहे और उन्होंने संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से और प्रभावी तरीके से कराए जाने के लिए स्टाफ को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला में पार्क अधीक्षक के साथ सहायक संचालक हालोन, सहायक संचालक सिंझौरा, सहायक संचालक फेन, सहायक संचालक मलाजखंड समस्त परिक्षेत्र अधिकारी एवं अन्य स्टाफ की उपस्थिति रही।

सेवा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बबलिया में किया जनसंपर्क

भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर भेंट किया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का परिचय ग्रंथ

बबलिया 30 नबंवर नभाप्र. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन व सेवा के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बबलिया भाजपा मंडल द्वारा घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान मंडल के कार्यकर्ताओं ने नागरिकों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का परिचय ग्रंथ भेंट किया। यह जनसंपर्क अभियान भाजपा मंडल अध्यक्ष संदेश जायसवाल और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. विजय शरबती के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उन्होंने नागरिकों को संघ के सौ वर्ष की सेवा यात्रा से अवगत कराया। कार्यकर्ताओं ने परिचय ग्रंथ के माध्यम से बताया कि गत सौ वर्षों से यह महायज्ञ अवतरित रूप से चल रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य है कि संपूर्ण समाज को संगठित करना। देश के सामने आने वाली सभी समस्याओं और चुनौतियों का समाधान करना। समाज में स्थाई परिवर्तन लाने के लिए व्यवस्थाओं का युगानुकूल निर्माण करना। इस अवसर पर नागरिकों से आह्वान किया गया कि देश बहुत विशाल है और कोई एक संगठन इसमें स्थाई परिवर्तन नहीं ला सकता। इसलिए सभी को मतभेद भूलकर एक साथ आकर काम करना होगा, जिसके लिए सज्जन संस्कृत शक्ति की सक्रियता और सहयोग आवश्यक है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अपनी पवित्र मातृभूमि को पुन: विश्व गुरु बनाने के लिए आज करने का समय है। सभी माता, बंधु और भगिनियों से अपेक्षा की गई है कि वे इस राष्ट्र कार्य में अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सक्रिय भूमिका निभाएं। जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा आइए इस अमृत काल में सभी मिलकर अपने भागीरथ प्रयास से भारत को परम वैभव तक पहुंचाएं। इन्हीं समस्त बातों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सभी घरों में परिचय ग्रंथ भेंट कर रहे हैं।

नर्मदा नदी के रंगरेज घाट में उतराता मिला अज्ञात शव

मंडला 30 नबंवर नभाप्र. कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत नर्मदा नदी के रंगरेज घाट में एक अज्ञात व्यक्ति का शव उतराता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने नदी किनारे शव को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच प्रक्रिया शुरू की। शव की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार मृत्यु के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। पुलिस आसपास के क्षेत्र में पूछताछ कर रही है और मिले सुरागों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की जानकारी हो तो नागरिकों से कोतवाली थाना से संपर्क करने की अपील की गई है। बताया गया है कि व्यक्ति की उम्र करीब 45 वर्ष है। गले में लाल रंग का गमछा लपटा हुआ है। चैक टी शर्ट पहने हुए।

नवांकुर संस्था ने 110 बोरियों से किया बोरी बांधन का कार्य

नारायणगंज के बीजेगांव में जल संचय अभियान
पानी रोको अभियान सफल, बोरी बांधन से मवेशियों को मिलेगा पानी
किसानों को मिलेगी सिंचाई की सुविधा

मंडला 30 नबंवर नभाप्र. मप्र जन अभियान परिषद मंडला के मार्गदर्शन में विकासखंड नारायणगंज के बीजेगांव ग्राम में प्रगति जन कल्याण समिति मंडला नवांकुर संस्था द्वारा जल संचय अभियान के अंतर्गत बोरी बांधन कार्य का सफल आयोजन किया गया। यह कार्य जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी एवं विकासखंड समन्वयक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। बोरी बांधन कार्य से पूर्व प्रगति जन कल्याण समिति ने नवांकुर संस्था के तत्वाधान में ग्राम में सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और अन्य सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में जल संचयन और पानी की समस्या के समाधान हेतु योजना बनाई गई थी। योजना के अनुसार ग्राम के लोगों ने एकजुट होकर पानी को रोकने के लिए बोरियों में मिट्टी एकत्र की। कुल 110 बोरियों की मदद से बोरी बांधन कर पानी को रोका गया, जिससे जल संरक्षण का लक्ष्य साधा जा सका।

किसानों और मवेशियों को मिलेगा लाभ

इस जल संचय कार्य का मुख्य उद्देश्य ग्राम और आसपास के क्षेत्रों को पानी की समस्या से निजात दिलाना है। रोके गए इस पानी का उपयोग ग्राम के आसपास के गांवों के मवेशियों को पीने के लिए पानी उपलब्ध होगा। किसानों को अपनी खेती के लिए सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी। इस प्रकार बोरी बांधन कार्य ने कई सुविधाओं को ध्यान में रखकर पानी रोकने का सफल प्रयास किया है। इस अभियान में प्रगति जनकल्याण समिति मंडला नवांकुर संस्था अध्यक्ष कमलेश कुमार पावले, सचिव पुष्पा उइके, परामर्शदाताओं राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, सुरेश सोनी, कृष्ण कुमार झरिया, इंद्रा उइके एवं ग्राम विकास प्रसपुटन समिति मझगांव का सहयोग रहा। बोरी बांधन के लिए सरपंच अर्जुन उइके, सीएमसीएलडीपी छात्रा गर्जन यादव और मिथलेश की उपस्थिति रही।

लापरवाही का आलम-घुघरी बस स्टैंड तिराहे की खराब सड़क बनी दुर्घटनाओं का सबब

जीआरटीसी और पंचायत पर अनदेखी का आरोप, जानलेवा तिराहा, सड़क पर फैली गिट्टियां और अधूरी नाली, ग्रामवासियों ने तत्काल सुधार की मांग की

घुघरी 30 नबंवर नभाप्र. मंडला जिले के घुघरी बस स्टैंड स्थित जनपद रोड तिराहा इन दिनों अपनी बदहाल स्थिति के कारण दुर्घटनाओं का केंद्र बन गया है। रोड निर्माण कंपनी जीआरटीसी और स्थानीय ग्राम पंचायत की लापरवाही के चलते इस महत्वपूर्ण जंक्शन पर सुधार कार्य रुका हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों और यात्रियों की जान जोखिम में पड़ गई है। स्थानीय ग्रामवासियों ने बताया कि तिराहे की खराब स्थिति के लिए दो प्रमुख कारण जिम्मेदार हैं। जिसमें रोड निर्माण कंपनी जीआरटीसी द्वारा सड़क के किनारे बड़ी-बड़ी गिट्टियों को यूँ ही छोड़ दिया गया है। ये गिट्टियां फैलकर रास्ते पर आ जाती हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को भारी खतरा हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, इन गिट्टियों के कारण मोटरसाइकिल सवार फिसलकर गिर जाते हैं और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसके साथ ही तिराहे पर नाली का निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा है, जिसके कारण जल निकासी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। जलजमाव के कारण सड़क की स्थिति और भी बदतर हो रही है।

प्रशासन की अनदेखी से आक्रोश

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गंभीर और जानलेवा समस्या पर न तो ग्राम पंचायत ध्यान दे रही है और न ही जिम्मेदार जीआरटीसी रोड कंपनी। दोनों की अनदेखी के कारण लोगों को रोजमर्रा की आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। ग्रामवासियों ने प्रशासन से तत्काल इस अधूरे नाली और सड़क के सुधार की मांग की है जिससे जनहित में दुर्घटनाओं को रोका जा सके और स्थानीय लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

इनका कहना है

जीआरटीसी रोड कंपनी ने यहां पर गिट्टी फैला दिया है, जिससे आए दिन हादसा हो रहा है, हम भी एक दो बार गिर चुके हैं।

प्रदीप पाठक, ग्रामवासी घुघरी

यहां पर लोग कई बार गिर चुके हैं, नाली भी अधूरा पड़ी है एवं रोड में गिट्टी डाल दी गई है जिससे हमारे पान ठेला के सामने रोज कोई न कोई गिरता रहता है।

वासु वरकड़े, ग्रामवासी घुघरी

सहायक संचालक माखन सिंह का पिंडरई में किया पुतला दहन

अमर बलिदानियों पर अपमानजनक टिप्पणी का विरोध
एबीवीपी ने की तत्काल कार्रवाई की मांग
आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

नैनपुर 30 नबंवर नभाप्र. जिला शिक्षा कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक माखन सिंह सेंद्राम द्वारा कथित तौर पर अमर बलिदानियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा इकाई पिंडरई में माखन सिंह सेंद्राम का पुतला दहन किया गया। एबीवीपी द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि 26 नवंबर को सहायक संचालक माखन सिंह सेंद्राम ने संदीपनी विद्यालय का दौरा किया था। इस दौरान उन पर स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप है। अभाविप ने इस कृत्य को शहीदों का नहीं, वरन पूरे देश के शहीदों का अपमान बताया है। इस घटना के विरोध में 27 नवंबर को ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जिला मंडला के कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया और पुतला दहन किया। कार्यकर्ता देर रात्रि तक कार्यालय के सामने धरने पर बैठे रहे। एबीवीपी ने मंडला कलेक्टर से मांग करते हुए कहां कि महापुरुषों के अपमान पर कठोर कानूनी व विभागीय कार्यवाही की जाए। उन्हें तत्काल प्रभाव से पदभार से मुक्त किया जाए। उनकी संपूर्ण संपत्ति की जांच करवाई जाए।

विरोध जारी

27 नवंबर को प्रशासन द्वारा आश्वासन देने आए अधिकारी को कार्यकर्ताओं ने 24 घंटे का समय देकर अपना धरना आंदोलन स्थगित किया था। कार्यवाही शून्य रहने की स्थिति में गुस्साए कार्यकर्ताओं ने रविवार को पिंडरई में भी पुतला दहन किया। अभाविप ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के अंदर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो मंडला विभाग की सभी इकाइयों में आंदोलन और पुतला दहन का कार्यक्रम व्यापक रूप से चलाया जाएगा।

भगवत कथा का श्रवण जीवन में सुख, शांति और सकारात्मकता का करता है संचार : संतोष शास्त्री

माता-पिता की सेवा सर्वोच्च तीर्थ
दुर्लभ मानव जन्म को भक्ति और सत्य के मार्ग पर लगाकर सार्थक बनाएं

मंडला 30 नबंवर नभाप्र. उपनगर महाराजपुर में रेल्वे स्टेशन के पास चल रही श्रीमद भागवत महापुराण का श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा के चौथे दिन कथावाचक पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने अपने प्रवचन से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शास्त्री जी ने कहा कि भगवत कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन में सुख, शांति और सकारात्मकता का संचार करता है। उन्होंने बताया कि कथा सुनने से धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है और मनुष्य का जीवन सार्थक होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि जहाँ भी श्रीमद्भागवत कथा सुनने का अवसर मिले, उसे कभी नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि भजन और भक्ति ही जीवन का वास्तविक सार हैं। पं. संतोष शास्त्री ने माता-पिता की सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि निस्वार्थ भाव से माता-पिता की सेवा करने वाला व्यक्ति सभी तीर्थों का पुण्य प्राप्त कर लेता है, क्योंकि माता-पिता के चरणों में ही सबसे बड़ा तीर्थ निवास करता है।

मानव जीवन की दुर्लभता

कथा व्यास ने यह भी समझाया कि चौरासी लाख योनियों में भटकने के बाद यह दुर्लभ मानव जन्म मिलता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि इस अनमोल जीवन को भगवान की भक्ति और सत्य के मार्ग में लगाकर सफल बनाना चाहिए।

शिक्षा का नवाचार हमारा सुंदर विद्यालय की पहल, बीईओ की पहल पर शिक्षकों ने सामूहिक रूप से किया टीएलएम का निर्माण

टीएलएम के प्रयोग से बढ़ रही उपस्थिति, घट रहे शाला त्यागी बच्चे, स्कूल से घर जाते बच्चे पढ़ रहे गिनती, पहाड़े

नारायणगंज 30 नबंवर नभाप्र. जिले के नारायणगंज विकासखंड में खंड शिक्षा अधिकारी डीके सिंगौर और बीआरसी कमलेश भवेदी के संयुक्त प्रयासों से प्राथमिक शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार आयोजित जन शिक्षा केंद्र स्तरीय शैक्षिक संवाद कार्यक्रम में शिक्षकों ने शिक्षण सहायक सामग्री का सामूहिक रूप से निर्माण कर एक विशिष्ट नवाचार को साकार किया। विकासखण्ड नारायणगंज में विद्यार्थियों को शिक्षानुकूल वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से बीईओ द्वारा हमारा विद्यालय सुंदर विद्यालय कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आयोजित शैक्षिक संवाद में प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन कराने वाले शिक्षकों को टीएलएम के महत्व को समझाया गया। इसके बाद सभी शिक्षकों ने संवाद स्थल पर ही सामूहिक रूप से विभिन्न विषय वस्तुओं को सरलता से समझाने के लिए सहायक शिक्षण सामग्री तैयार की। कुछ शिक्षक घर से भी सामग्री तैयार कर लाए थे, जिससे अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिली।

उत्साहपूर्ण वातावरण बनाने पर जोर

शिक्षा के माहौल को सहज और उत्साहपूर्ण बनाने के लिए एक और अनूठी पहल की गई है। बीईओ डीके सिंगौर ने बताया कि स्कूल में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और पठन-पाठन का माहौल सहज बनाने के लिए पूरे विकासखंड के प्राथमिक विद्यालयों में यह अभियान चलाया जा रहा है कि बच्चे स्कूल से घर जाते समय एक लाइन से निकलते हुए कभी गिनती, कभी पहाड़ा, तो कभी पोयम आदि का जोर-जोर से वाचन कर रहे हैं। इसके अलावा बच्चों के एक दिन भी अनुपस्थित रहने पर नोटिस किया जा रहा है और पालकों से संपर्क किया जा रहा है।

सामूहिक निर्माण से बढ़ी सामग्री की गुणवत्ता

इस दौरान शिक्षकों ने एक-दूसरे के सुझावों का आदान, प्रदान करते हुए बच्चों के लिए एक से बढ़कर एक सरल और प्रभावी टीएलएम तैयार किए। बीईओ डी के सिंगौर, बीआरसी, और बीएसी द्वारा इस पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की गई। बीईओ डीके सिंगौर ने बताया कि शिक्षण सहायक सामग्री के उपयोग से बच्चों का ध्यान विषय वस्तु पर जल्दी आकर्षित होता है और वे चीजों को जल्दी सीखते हैं। उनका मानना है कि जब बच्चे जल्दी सीखेंगे, तो उनकी विद्यालय में उपस्थिति बढ़ेगी और शाला त्यागी बच्चों की संख्या में भी कमी आएगी।

आकांक्षी विकासखंड में गुणात्मक सुधार का लक्ष्य

बीईओ डीके सिंगौर ने स्पष्ट किया कि प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए लगातार अच्छे प्रयास किए जाएंगे। वहीं नारायणगंज विकास खंड भारत सरकार की आकांक्षी विकासखंड योजना में शामिल है, इसलिए शिक्षा के लिए निर्धारित किए गए सभी 11 संकेतकों को शत प्रतिशत संतृप्त कर विकासखंड को अग्रणी श्रेणी में खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है।